# मेरा नमस्कार स्वीकार करो

मेरा नमस्कार स्वीकार करो, ऐ चिंतापुरनी माँ
*यह भेंट मेरी स्वीकार करो, ऐ चिंतापुरनी माँ*,
मेरा नमस्कार स्वीकार करो, ऐ चिंतापुरनी माँ ॥

दुःख दरिद्र, दूर भगाओ, "कष्ट हरो माँ मेरे" ।
सारी दुनियाँ, छोड़ के दाती, "द्वार पड़ा मैं तेरे" ॥
*अब मेरा भी उद्दार करो, ऐ चिंतापुरनी माँ*,
मेरा नमस्कार स्वीकार करो, ऐ चिंतापुरनी माँ ॥

मात पिता गुरु, पीर तुम्ही हो, "तुम्ही सखा हमारी" ।
सब बहनों में, सब से छोटी, "सब बहनों की प्यारी" ॥
*मुझ को भी भव से पार करो, ऐ चिंतापुरनी माँ*,
मेरा नमस्कार स्वीकार करो, ऐ चिंतापुरनी माँ ॥

जो भी सच्चे, मन से मैया, "तेरी शरण में आया" ।
माही दास के, जैसे तुमने, "उसको पार लगाया" ॥
*माँ मुझ पे भी उपकार करो, ऐ चिंतापुरनी माँ*,
मेरा नमस्कार स्वीकार करो, ऐ चिंतापुरनी माँ ॥

संदीप की तुम, सुनती हो माँ, "मेरी भी सुन लो माता" ।
बस तेरी, हाज़री भरते हैं, "हमे और नहीं कुछ आता" ॥
*अब सुखी मेरा संसार करो, ऐ चिंतापुरनी माँ*,
मेरा नमस्कार स्वीकार करो, ऐ चिंतापुरनी माँ ॥

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/17684/title/mera-namaskar-savikar-karo

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |